ITME NO. 1 : CONFIRMATION OF THE MINUTES OF THE 83rd MEETING OF SPICES BOARD HELD AT NEW DELHI ON 24th JUNE 2016

स्पाइसेस बोर्ड

दिनांक 24 जून 2016 को होटेल अशोक, नई दिल्ली में आयोजित 83 वीं बैठक का कार्यवृत्त

सुगंध भवन
पालारिवट्टम
कोचिन-682 025

दिनांक 24 जून 2016 को संपन्न स्पाइसेस बोर्ड की
बोर्ड-बैठक का कार्यवृत्त

स्पाइसेस बोर्ड की 83 वीं बैठक दिनांक 24 जून 2016 को दोपहर 3.00 बजे होटेल अशोक, नई दिल्ली में संपन्न हुई।

डॉ.ए.जयतिलक आई ए एस, अध्यक्ष, स्पाइसेस बोर्ड ने बैठक की अध्यक्षता की ।

निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :

1. श्री बी.एम. मुनिराजू
2. श्री खोरलो भूटिया, सिक्किम सरकार का प्रतिनिधि
3. डॉ. जॉन जकरिया, आई आई एस आर, कालीकट का प्रतिनिधि
4. श्री रवेला गोपालकृष्णा
5. श्री नागराजन, निदेशक, सी एफ टी आर आई, मैसूर का प्रतिनिधि
6. सुश्री अनिता कारणवर
7. डॉ. एन.सी. साहा
8. श्री आँजो टी. जोस
9. डॉ. मात्यू सामुवल कलरिक्कल
10. एस.तंकवेलु, माननीय सांसद[राज्य सभा]
11. सुश्री अनीता कर्ण, निदेशक [बागान], वाणिज्य मंत्रालय
12. श्री चिरंजीव चौधरी, बागवानी व रेशम-उत्पादन आयुक्त ; सचिव [बागवानी] आंध्रप्रदेश सरकार का प्रतिनिधि
13. सुश्री अल्का ठंडन, सचिव [बागवानी], उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिनिधि

निम्नलिखित सदस्यों को अनुपस्थिति छुट्टी प्रदान की गई :

श्री ई.एम. अगस्ती

श्री भास्कर शाह

श्रीमती विजयलक्ष्मी, फलदा अग्रो रिसर्च फाउंडेशन्स प्रा.लि., बंगलूरु

निदेशक, योजना आयोग, नई दिल्ली

श्री बी.एस. येद्यूरप्पा, माननीय सांसद[लोक सभा]

श्री प्रताप सिन्हा, माननीय सांसद[लोक सभा]

श्री ज़िया-उद्-दीन अहमद

डॉ. विजू जेकब

श्री जोजो जॉर्ज

श्री अंजोय अमा, अरुणाचल प्रदेश सरकार का प्रतिनिधि

निम्नलिखित सदस्य अनुपस्थित थे :

1. श्री कुमारलाल एम. तहिलियानी, पार्टनर, मेसर्स एशियन फूड इंडस्ट्रीस, गुजरात
2. श्री ड़ी.वी. राजीव मोहन, मेसर्स आई टी सी लि. कोलकाता
3. श्री शकील अहमद, संयुक्त सचिव, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली
4. श्री अजित तोमस, ए वी टी मक्-कोर्मिक इंग्रेडियंट्स प्रा. लि.
5. श्री रूपा दत्ता, आई ई एस, निदेशक(वित्त), वाणिज्य मंत्रालय

मद सं.1. **29 फरवरी 2016 को अहमदाबाद में आयोजित स्पाइसेस बोर्ड की 82 वीं बैठक के कार्यवृत्त का पुष्टिकरण**

जैसेकि सदस्यों की तरफ से 82 वीं बैठक के बारे में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई, बोर्ड ने कार्यवृत्त की पुष्टि की।

मद सं.2. **29 फरवरी 2016 को संपन्न 82 वीं बोर्ड-बैठक के निर्णयों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट**

सदस्यों 82 वीं बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर बोर्ड द्वारा की गई कार्रवाई की सराहना की ।

मद सं.3. **जैव इलायची (छोटी) केलिए उत्पादकता पुरस्कार**

बोर्ड ने विवरण नोट किया।

मद सं.4. **परंपरागत कृषि विकास योजना [पी के वी वाई] के अधीन आठ उत्तर पूर्वी राज्यों में क्लस्टर एप्रोच व पी जी एस प्रमाणन द्वारा जैव गांवों को अपनाने के ज़रिए मसालों में जैव-खेती को बढ़ावा देने हेतु एकीकृत परियोजना प्रस्ताव**

बोर्ड ने विवरण नोट किया।

श्री चिरंजीव चौधरी आई एफ एस, सचिव (बागवानी), आंध्रप्रदेश सरकार के प्रतिनिधि ने बताया कि पी के वी वाई सभी राज्यों के लिए प्राप्त किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय ने श्री चिरंजीव चौधरी से आन्ध्रप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं की प्रतिलिपि देने का अनुरोध किया ताकि स्पाइसेस बोर्ड भी विभिन्न मसाला फसलों केलिए समान प्रकार की परियोजना तैयार कर सके और सभी राज्य सरकारों को भेज सके।

मद सं.5. **राष्ट्र-स्तरीय एजेंसी के रूप में स्पाइसेस बोर्ड केलिए वर्ष 2016-17 के दौरान एम आई डी एच के अधीन मसालों केलिए कटाई-पश्चात योजनाओं का अनुमोदन**

बोर्ड ने विवरण नोट किया

मद सं.6. **उत्तर पूर्वी क्षेत्र केलिए मिशन ओरगानिक वैल्यू चेइन डेवेलपमेंट [एम ओ वी सी डी] के अधीन आठ उत्तर पूर्वी राज्यों को प्रस्तुत मसालों केलिए जैव मूल्य शृंखला विकास हेतु एकीकृत परियोजना प्रस्ताव**

बोर्ड ने विवरण नोट किया

मद सं.7. **मसाला विकास एजेंसी [एस डी ए] की स्थापना की वस्तुस्थिति रिपोर्ट**

सुश्री अनीता कर्ण आई एफ एस, निदेशक [बागान] ने सदस्यों को सूचित किया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय यह चाहता है कि शुरू में बोर्ड प्रत्येक एस डी ए के अधीनस्थ क्षेत्र में बढने वाले किसी एक मसाले पर अपना ध्यान केन्द्रित करें और एम आई डी एच, पी के वी वाई जैसी विभिन्न एजेंसियों के ज़रिए निधीयन हेतु प्रस्तुत करने केलिए फसल विनिर्दिष्ट परियोजनाएं तैयार करें। अध्यक्ष महोदय ने वाणिज्य मंत्रालय की टिप्पणियाँ स्वीकार करके प्रत्येक एस डी ए केलिए प्रमुख मसाला के निर्धारण केलिए सदस्यों के साथ चर्चा की। प्रत्येक एस डी ए केलिए निम्नानुसार फसलें निर्धारित की गईं :

क्र.सं.	एस डी ए का नाम	प्रमुख मसाला फसल
1	हावेरी	ब्यादगी मिर्च
2	गांतोक	बड़ी इलायची
3	गुवाहटी	लकादोंग हल्दी
4	उंझा	जीरा
5	मुम्बई	कोकम
6	गुना	लहसुन
7	जोधपुर	धनिया
8	गुन्टूर	गुन्टूर सन्नम मिर्च
9	उत्तर प्रदेश	पुदीना
10	ईरोड	हल्दी

मद सं.8: **एस डी ए, वारंगल की स्थापना केलिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को प्रस्तुत प्रस्ताव**

बोर्ड ने विवरण नोट किए

मद सं.9: **वर्ष 2016-17 केलिए गुणवत्ता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुसूची**

बोर्ड ने विवरण नोट किया

मद सं.10: **सहायक निदेशक [विपणन] के वर्तमान पद को सहायक निदेशक [साइबर सुरक्षा व विपणन] के पद में परिवर्तन को रद्द करना**

अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों के सामने सहायक निदेशक (विपणन) के पद को बनाए रखने की आवश्यकता स्पष्ट की कि यह निर्यात संवर्धन अधिकारियों केलिए अपने न्यायोचित पदोन्नति पद का एकमात्र चैनल है। इस सिलसिले में सहायक निदेशक [विपणन] के वर्तमान पद को सहायक निदेशक [साइबर सुरक्षा व विपणन] के पद में परिवर्तन को रद्द करने के संबंध में एक संकल्प पास किया गया, जो नीचे दिया जाता है और इसप्रकार है:

" आई टी सुरक्षा का प्रबंधन और किसी भी प्रकार का हैकिंग, दित्ते की चोरी से बचकर रहना आदि केलिए सहायक निदेशक(विपणन) के पद को सहायक निदेशक (साइबर सुरक्षा व विपणन) में परिवर्तित करके उचित योग्यता रखनेवाले एक नियमित अधिकारी को सीधी भर्ती द्वारा, दिनांक :30/06/2015 की बोर्ड-बैठक में अनुमोदित मंजूर स्टाफ-संख्या के अंतर्गत ई डी पी विभाग में नियुक्त करने संबन्धी अध्यक्ष, स्पाइसेस बोर्ड के प्रस्ताव का हवाला लेने और सहायक निदेशक (विपणन) के पद को सहायक निदेशक (साइबर सुरक्षा व विपणन) के पद में परिवर्तन को रद्द करने और उस पद को विपणन विभाग के अंतर्गत ही बरकरार रखने का निर्णय लिया गया, ताकि निर्यात संवर्धन अधिकारी अपने न्यायोचित पदोन्नति पद से वंचित न रह जाए।"

बोर्ड ने प्रस्ताव का अनुमोदन किया और इस संबंध में संकल्प पास किया।

मद सं.11: **इ-स्पाइस बाज़ार अनुरेखणीयता परियोजना**

सदस्यों ने बोर्ड की पहल की सराहाना की। श्री चिरंजीव चौधरी ने पहल की सराहना करते हुए बोर्ड को सूचित किया कि यह परियोजना आंध्रप्रदेश के मिर्च व हल्दी कृषकों केलिए हितकर होगी।

मद सं.12: **अगले सी सी एस सी एच सत्र का आयोजन**

बोर्ड ने विवरण नोट किया

मद सं.13: **वर्ष 2014-15 केलिए निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार**

बोर्ड ने पुरस्कार उप-समिति की बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन किया।

अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों से " नए मसाला उत्पादों का निर्यात ", " नई विपणियों में मसाला निर्यात व श्रेष्ठतम सूक्ष्म विनिर्माता " की श्रेणी केलिए यदि कोई कंपनियाँ हैं तो, नाम बताने को कहा, चूंकि बोर्ड को उक्त श्रेणी केलिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

मद सं.14: **गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, स्पाइसेस बोर्ड द्वारा विश्लेषित परेषण नमूनों की स्थिति**

डॉ.मात्यू सामुवल कलरिक्कल ने भारत से मसालों के निर्यात केलिए गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला

विश्लेषण से लाभ के बारे में पूछा। अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को सूचित किया कि भारत से मसालों के निर्यात केलिए गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला विश्लेषण से लाभ का उत्तम निदर्शन भारत से निर्यात निरसन की संख्या है और उन्होंने यूरोपीय यूनियन द्वारा ज़ारी रेपिड़ एलर्टों की संख्या वर्ष 2010 के 121 से 2014 में 16 में घट जाने की सांख्यिकी भी रख दी। सदस्यों ने रेपिड़ एलर्टों की संख्या कम करने में बोर्ड के प्रयास की सराहना की।

श्री आँजो जोस ने इलायची में नाशीजीवनाशी अवशेष और कृत्रिम रंजन के मामले को उजागर किया और अंतर्राष्ट्रीय विपणियों केलिए गुणवत्ता की अहमियत के बारे में अवगत कराने केलिए इलायची बढ़ाने वाले इलाकों में गुणवत्ता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने की ज्यादा कोशिश करने का अनुरोध किया। अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को सूचित किया कि बोर्ड इलायची बढ़ाने वाले इलाकों में गुणवत्ता मूल्यांकन प्रशिक्षण चलाता है और वर्ष 2016-17 में सभी कृषकों तक पहुँचने केलिए प्रशिक्षण को और ज़ोरदार बनाया जाएगा।

डॉ.मात्यू सामुवल कलरिक्कल ने नाशीजीवनाशी अवशेष दूर करने केलिए इलायची को सुखाने के पहले उसकी धुलाई करने की संभावना के बारे में भी पूछा। डॉ.रमा श्री, निदेशक(अनु.), स्पाइसेस बोर्ड ने सूचित किया कि औषधीय पादपों केलिए प्रयोगशाला स्तर पर नाशीजीवनाशी अवशेष दूर करने हेतु सुखाने के पहले कच्ची सामग्री के विवर्णन की प्रणाली वर्तमान है। इलायची केलिए इस विधि का प्रयोगशाला व फार्म स्तर पर अनुप्रयोग किया जाना है। अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि इलायची में नाशीजीवनाशी अवशेष दूर करने केलिए डॉ.रमा श्री द्वारा बताई गई समान विधियों में आई सी आर आई द्वारा प्रयोगशाला व खेतों में परीक्षण चलाए जाएंगे।

मद सं.15: **वित्तीय वर्ष 2015-16 केलिए भारत से मसालों का निर्यात**

सदस्यों ने वित्तीय वर्ष 2015-16 केलिए भारत से मसालों का निर्यात-निष्पादन नोट किया और उसमें बोर्ड के प्रयासों की तारीफ की।

मद सं.16: **मसाला पार्क व गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला की स्थिति**

सदस्यों ने मसाला पार्क व गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला की स्थिति नोट की।

मद सं.17: **कोचिन में मसाला संग्रहालय और सिग्नेचर स्टाल की स्थापना**

सदस्यों ने बोर्ड की नई पहल की प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि पोर्ट में इसकी अवस्थिति एक प्रमुख पर्यटन केंद्र में होने के कारण भारतीय मसालों को यह बढ़ावा देगी। अध्यक्ष महोदय ने आश्वासन दिया कि इस पहल केलिए निर्यात विकास और संवर्धन योजना और आई ई बी आर से निधि उपलब्ध कराई जाएगी। सदस्यों ने इसका अनुमोदन किया।

मद सं.18: **सिक्किम में स्पाइस कॉम्प्लेक्स की स्थापना**

सदस्यों ने विवरण नोट किया

मद सं.19: **बोडिनायकन्नूर के इ-नीलाम केंद्र का बोर्ड के अपने मकान में स्थानांतरण**

श्री एस तंकवेलु, माननीय सांसद [राज्य सभा] ने नव निर्मित नीलाम केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए नए इ-नीलाम केंद्र के परिसर में उपयोक्ताओं के हितार्थ एक इलायची ग्रेडिंग मशीन, ए टी एम, कैंटीन व स्वास्थ्यकर शौचालय की आवश्यकता की ओर संकेत किया। अध्यक्ष महोदय यथाशीघ्र उसे उपलब्ध कराने से सहमत हुए और सुझाया कि बोर्ड निर्यातोन्मुख उत्पादन योजना के अधीन इलायची ग्रेडिंग मशीन प्रदान करेगा और 'एच आर डी व कार्य' योजना के अधीन कैंटीन व स्वाथ्यकर शौचालयों का निर्माण किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को यह भी सूचित किया कि ए टी एम के बारे में बैंकों के साथ चर्चा की जा रही है।

मद सं. 20: **प्रौद्योगिकी / प्रक्रिया उन्नयन व मसाला प्रसंस्करण में उच्च प्रौद्योगिकी के अधीन लंबित आवेदन की स्थिति**

अध्यक्ष महोदय ने मंत्रालयों में बजट की कटौती स्पष्ट की और बजट की कमी के कारण विभिन्न योजनाओं के कायान्वयन में बोर्ड की असमर्थता व्यक्त की। सदस्यों ने सुश्री अनीता कर्ण, निदेशक (बागान) से मसाला समुदाय के हितार्थ बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु स्पाइसेस बोर्ड को अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने केलिए इसकी ओर ध्यान देने का अनुरोध किया।

अतिरिक्त मदें :

मद सं.1. **वर्ष 2015-16 केलिए बोर्ड का वार्षिक लेखा**

सदस्यों ने बोर्ड के वार्षिक लेखे का अनुमोदन किया

मद सं.2: **वर्ष 2016-17 के दौरान बोर्ड केलिए निधि आबंटन**

सदस्यों ने विवरण नोट किया।

मद सं.3: **वर्ष 2015-16 केलिए बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट**

सदस्यों ने बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट का अनुमोदन किया।

मद सं.4: **उप निदेशक (राजभाषा) का भर्ती नियम**

सदस्यों ने उप निदेशक(राज भाषा) के भर्ती नियम का अनुमोदन किया।

मद सं.5: **एम एफ सी एस के अधीन वैज्ञानिक 'डी' से 'सी' में वैज्ञानिकों का प्रत्यावर्तन**

सदस्यों ने एम एफ सी एस के अधीन वैज्ञानिक 'डी' से 'सी' में वैज्ञानिकों के प्रत्यावर्तन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

मद सं.6: **सेवारत उम्मीदवारों केलिए लिखित परीक्षा के ज़रिए उप निदेशक (विकास) के पद को भरना**

सदस्यों ने सेवारत उम्मीदवारों केलिए लिखित परीक्षा के ज़रिए उप निदेशक (विकास) के पद को भरने के प्रस्ताव और उसके लिए भर्ती नियम का अनुमोदन किया।

अन्य चर्चाएँ

मद सं.1: **श्री रवेला गोपाल कृष्णा का अनुरोध**

श्री रवेला गोपाल कृष्णा ने बोर्ड से अमरावती मसाला उत्पादक सोसाइटी को मसाला पार्क, गुंटूर से दो एकड़ जमीन आबंटित करने का अनुरोध किया। यह सोसाइटी कृषकों से मिर्च, हल्दी, इमली, धनिया, सरसों, करी पत्ती व कालीमिर्च के विकास व विपणन में लगी हुई है और निर्यात व मूल्यवर्धन यूनिटों की अपेक्षाओं की पूर्ति केलिए एक प्रसंस्करण सुविधा स्थापित करने की कोशिश कर रही है। अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को सूचित किया कि यदि सोसाइटी मसाला पार्क में ज़मीन पट्टे पर लेने की शर्तों की पूर्ति करती है तो, प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।

मद सं.2: **सुश्री अल्का ठंडन, प्रतिनिधि , सचिव (बागवानी), उत्तरप्रदेश सरकार से अनुरोध**

सुश्री अल्का ठंडन ने उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा एम आई डी एच के अधीन राज्य में मसालों के विकास केलिए चलाए गए क्रियाकलापों का विवरण दिया और बोर्ड से निम्नलिखित बातों पर विचार करने का अनुरोध किया:

- जैसेकि राईबरेली में प्रयोगशाला का वर्तमान प्रस्ताव अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु पर्याप्त नहीं है, पुदीना कृषकों के हितार्थ उत्तर प्रदेश में दो गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं की स्थापना
- लघु कृषकों के मेंथा के भंडारण केलिए उत्तरप्रदेश में गोदाम सुविधा शुरू करना
- पुदीना आसवन यूनिट की स्थापना हेतु अनुदान के वर्तमान स्तर (33.33%) को बढ़ाना
- बोर्ड एम आई डी एच निधीयन के अधीन आई आई टी कानपुर द्वारा विकसित सौर आसवन यूनिटों की संगतता पर अनुसंधान चला सकता है।

अध्यक्ष महोदय ने सचिव [बागवानी], उत्तरप्रदेश सरकार के प्रतिनिधि का अनुरोध नोट किया।

बैठक के समापन पर अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों से स्पाइसेस बोर्ड में अपने पाँच वर्ष के सेवाकाल की समाप्ति के बारे में सूचित किया और सभी सदस्यों से उनके सक्रिय समर्थन और मसाला निर्यात को बढ़ावा देने में उनके सहयोग केलिए धन्यवाद अदा किया और बताया कि यह उनके लिए निर्यात को दुगुना से ज्यादा बढ़ाने के साथ साथ भारत के हरेक राज्य में बोर्ड का कार्यालय खोलने के तहत सुखद अवसर था। अध्यक्ष महोदय ने यह भी सूचित किया कि बिचौलियों को हटा कर मसाला उद्योग को अधिकाधिक कृषकोन्मुख बनाना संतोषजनक था और कृषक अंतर्राष्ट्रीय विपणी में बेहतर मूल्य प्राप्त करने हेतु गुणवत्ता उत्पाद के बारे में ज्यादा मालूम कर सके।

सदस्यों ने बोर्ड में अपने सेवाकाल के दौरान अध्यक्ष के उत्कृष्टतम योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ.एन.सी.साहा ने बैठक के दौरान बताया कि "यह बोर्ड केलिए बड़ा नुकसान है"। डॉ. मात्यू सामुवल कलरिक्कल ने सदस्यों को सूचित किया कि " हम बोर्ड में एक असाधारण एवं अति-क्रियाशील अध्यक्ष का अभाव महसूस करेंगे।"

अध्यक्ष महोदय ने साभार याद किया कि पिछले पाँच साल की सभी उपलब्धियां स्पाइसेस बोर्ड के सदस्यों के सक्रिय सहयोग के कारण ही हासिल की गई हैं।

अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों को उनकी सक्रिय भागीदारी केलिए शुक्रिया अदा की और बैठक सायं 5.00 बजे समाप्त हुई।